Shri Rama Raghunatha Ashtakam

श्रीरामरघुनाथाष्टकम्

Document Information

Text title : Rama Raghunathashtakam Gitam

File name : rAmaraghunAthAShTakamgItam.itx

Category : raama, aShTaka, sanskritgeet

Location : doc_raama

Author : Krishnadas

Latest update : February 26, 2025

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

February 26, 2025

sanskritdocuments.org

Shri Rama Raghunatha Ashtakam

श्रीरामरघुनाथाष्टकम्

दशरथनन्दन दाशरथीघन पूर्णचन्द्र तनु कान्तिमयं
दिव्यसुनयन रण्जीतरञ्जन रमापती वीर सीतानाथम् ।
गहनकानने लक्ष्मीलक्ष्मीपति पितृसत्यधारी सत्यसुतं
पूर्णसत्यदेव राघव माधब रामरघुनाथ पदौभजे ॥ १॥

मण्डितधरणी खण्डिततनुनतमस्तकेभूषित क्लेशभारं
सम्भबतियुगेयुगे नानाकृतधृतरूप अरूपस्वरूप शस्त्रधरम् ।
पापासुरनिधन साधुपरित्राण दरिद्रदारुण त्राणमूर्त्तिं
दिव्य कान्ति तनु नेत्र शशी भानु रामरघुनाथ पदौभजे ॥ २॥

घनघनघनीभूत कौशल्यासम्भूत रामरमाकान्त जगन्नाथं
शान्तसुशीतल सुनीलानल नीलतरलरल तवमुखम् ।
चन्दनविमर्दन मदनमोहन नग्ननिमग्नधीर भक्तरमं
हस्तेशस्त्रधारी त्रिभुबनविहारी रामरघुनाथ पदौभजे ॥ ३॥

अहल्यातारक बलीसंहारक शत्रुविनाशक विश्वदेवं
प्रेमप्रदायक ब्रह्माण्डनायक तारणपतक सत्यप्रियम् ।
दशमुखमर्द्धन भक्तप्राणधन नित्यनिरञ्जन सर्वसारं
सर्वमनोरञ्जन सर्वमानभञ्जन रामरघुनाथ पदौभजे ॥ ४॥

विक्रान्तकुण्डीर स्थिरमनोहर दिव्यकलेवर मायाधरम् ।
नीरजवदन पङ्कजलोचन पुष्करचरण मोक्ष्यप्रदं
रामरामहेराम श्रीरामजयराम रामरमणचित्तेचित्तधरं
पतिपतिसीतापति भूपतिश्रीपति रामरघुनाथ पदौभजे ॥ ५॥

मन्दरमान्दर सानन्दसुन्दर तरुणधारूणपति सृष्टिधरं
सदाप्रजाबत्सल कोमलौत्पल विमलश्यामल कलेवरम् ।
जानकीवल्लभ तवकरपल्लव सौरभदुर्लभ तत्त्वसारं
मोक्ष्यप्रदायक आनन्ददायक रामरघुनाथ पदौभजे ॥ ६॥

मारूतिसेवित इन्दिरावन्दित विश्वसन्दनीत श्रीकन्दरं
चण्डवातगति छिदतिदुर्गति सृष्टिप्रलयस्थिति मुलात्मूलम् ।
हेप्रभुईश्वर श्रीधरभूधर सर्वाङ्गसुन्दर रङ्गनाथं
कृपालुसागर नित्यमनोहर रामरघुनाथ पदौभजे ॥ ७॥

तव अनुस्मरण तव परिचिन्तन प्रध्यानपठन नित्यसुखं
मुखेतबगापन तव लीलावर्णन तव नामेमार्जन शुद्धमयम् ।
क्लेशक्लेशमहाक्लेश भवसुरा देबेश रक्षाकुरुस्वामी गोरक्षकं
हे रघुनन्दन सर्वक्लेशखण्डन रामरघुनाथ पदौभजे ॥ ८॥

ममबनरोदन परितापार्दन अपसारतबसङ्ग रघुनाथं
तबपददर्शन सदाचित्तेचिन्तन ममप्राणप्राणधन चक्रधरम् ।
उत्कलसम्भव शुभागसुभग भणतितबमालीका गोनायकं
दीनकृष्णदास प्रतिश्वासप्रश्वास रामरघुनाथ पदौभजे ॥ ९॥

॥ इति श्रीकृष्णदासविरचितं श्रीरामरघुनाथाष्टकं सम्पूर्णम् ॥

Shri Rama Raghunatha Ashtakam
pdf was typeset on February 26, 2025

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*